Augusto Buzz

St. Augustine's Day School, Kolkata — August 2025

Dear Students, Staff, Parents and Well-wishers,
As we move into another quarter of 2025, the Management expresses its gratitude to all for their continued support.
This Newsletter highlights the key events from Jan'25 to Jun'25. Despite various catastrophic predictions for the year 2025, we are thankful to the Almighty for our existence.
We value your presence and for being an integral part of our journey and we hope to achieve our milestones, but we have promises to keep and miles to go before we sleep.

With Best Wishes,
Esther Gasper
Treasurer

12th Mar' 2025 — Exhibition

An Exhibition cum Sale was organised by the Social Service Cell of the School - Senior Section to support Ankur Kala Women's Centre.

13th-20th Mar' 2025 — Augustinian Idols

Augustinian Idols, Season IV, an Inter House Talent Hunt Competition was held from 13th to 20th March, 2025 at the C.R. Gasper Memorial Hall.
The Tagore House became the Champions while the Azad House were the Runners-Up.

17th Mar' 2025 — Iftar Party

An Iftar Party was organized by the Social Service Dept. of the Middle School for the underprivileged.

4th Apr' 2025 — Cricket Tournament

Our School participated in the Cricket Tournament organized by the Asian International School.

30th Apr' 2025 — Labour Day Special

Students expressed their gratitude through Thank You Cards to the Service Staffs in recognition of their service

3rd Apr' 2025 — Art Competition

An Art Competition was held at the School premises organized by SIP ABACUS for the students from Classes I to IV.

22nd Apr' 2025 — Easter Celebration

Students and Teachers celebrated Easter with the underprivileged and Easter goodies were distributed to each of them.

5th May 2025 — Founder's Day

Remembering our Founder Late Mr. C.R.Gasper on his 83rd Birth Anniversary.

9th May 2025 — Rabindra Jayanti

Celebrating 164th Birth Anniversary of Rabindra Nath Tagore.

11th May 2025 — Health Check-up

Health Check-up Camp for the Parents and the Service Staffs was initiated by the middle school.

16th May 2025 Old Clothes Drive

Social Service (Old Clothes Drive) initiative undertaken by the Senior Section for underprivileged.

23rd June 2025 Yoga & Music Day

Students of Classes IV & V held a Special Assembly exploring the realms of Yoga & Music Day.

28th June 2025 Food Distribution

Our Treasurer Ma'am Mrs. Esther Gasper organised a Breakfast Treat for the underprivileged.

30th June 2025 Treasurer's Birthday

On the occasion of our Treasurer Ma'am Mrs.Esther Gasper's Birthday a Thanksgiving Mass was celebrated invoking God's Blessings.

STUDENT WALL

उस घटना को याद करके आज भी मैं हँसी से लोट-पोट हो जाती हूँ।

जीवन में कुछ घटनाएँ ऐसी होती हैं, जो भले ही उस समय हमें असहज, अजीब या शर्मिंदा कर दें, लेकिन जब सालों बाद हम उन्हें याद करते हैं, तो हमारे होंठों पर मुस्कान आ जाती है। कुछ घटनाएँ तो इतनी हास्यास्पद होती हैं कि उन्हें याद करके हम हँसी से लोट-पोट हो जाते हैं। ऐसी ही एक घटना मेरे जीवन में घटी थी, जिसे याद करके आज भी मेरी हँसी नहीं रुकती। यह घटना मेरे स्कूल के दिनों की है, जब मैं कक्षा सातवीं में पढ़ती थी। बचपन का वह बेफिक्र समय, दोस्तों की शरारतें, मासूम गलतियाँ और उन पर मासूमियत से सजा संवारना—सब कुछ इतना मजेदार और यादगार था।

यही कारण है कि जब वह घटना आज भी किसी के सामने दोहराई जाती है, तो सब हँसी से लोट-पोट हो जाते हैं, और मैं तो सबसे ज्यादा।

यह बात उस समय की है, जब हमारे स्कूल में हास्य कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। मैं अपने स्कूल में पढ़ाई में तो ठीक-ठाक थी ही, लेकिन मंच पर जाने में थोड़ी झिझकती थी। फिर भी, मेरी हिंदी की शिक्षिका ने जिद करके मेरा नाम प्रतियोगिता में दर्ज करवा दिया। मैंने एक बहुत ही मजेदार कविता तैयार की, "पप्पू की शादी", जिसमें पप्पू नाम के एक लड़के की शादी में हुई गड़बड़ियों और उसकी अजीब हरकतों का वर्णन था। कविता में इतने मजेदार संवाद थे कि उसे सुनाने मात्र से लोगों के पेट में बल पड़ जाते थे।

आखिरकार वह दिन आ गया। मंच पर मेरा नाम पुकारा गया और मैं काँपते हुए मंच पर पहुंच। हाथों में माइक लिया, और जैसे ही मैंने कविता शुरू की, "पप्पू की शादी में आई थी बारात...", तभी अचानक माइक में कुछ गड़बड़ी हो गई, और मेरी आवाज ऐसी आई जैसे कोई रोबोट बड़बड़ा रहा हो। पूरी सभा ठहाके मारकर हँसने लगी। मैं कुछ समझ नहीं पाई और थोड़ा घबरा गई।

फिर जैसे-तैसे माइक बदला गया और मैंने दोबारा कविता शुरू की। अब तक मेरा आत्मविश्वास थोड़ा डगमगा चुका था, लेकिन कविता का मजा अभी बाकी था।

जैसे ही मैंने एक पंक्ति पढ़ी, "दूल्हा खुद ही उठाकर लाया अपना घोड़ा," पीछे बैठे हमारे गणित शिक्षक जोर से हँस पड़े और बोले, "घोड़ा भी परेशान होगा!" बस, इसके बाद तो हँसी का ऐसा विस्फोट हुआ कि पूरी सभा में शांति लौटाना मुश्किल हो गया। लेकिन असली गड़बड़ तो तब हुई, जब कविता में मैंने पढ़ा, "सासूजी ने दूल्हे को मिठाई में नमक खिलाया," और गलती से बोल बैठी, "नमकीन में मिठाई खिलाया!" अब सोचिए, ऐसा सुनते ही क्या हुआ? बच्चे, शिक्षक, प्रधानाचार्य—सब हँसते-हँसते लोट-पोट हो गए। कुछ ने तो पेट पकड़ लिया, कुछ की आँखों से आँसू आ गए, और मैं खुद भी अपनी गलती पर इतना हँसी कि मंच पर हँसते-हँसते दोहरी हो गई।

उस दिन मेरे कविता पाठ को प्रतियोगिता में प्रथम स्थान तो नहीं मिला, लेकिन सबने कहा, "इस बच्ची ने तो पूरी सभा का मूड बना दिया।" बाद में कई दिनों तक स्कूल के बच्चे मुझे "नमकीन वाली दुल्हन" कहकर चिढ़ाते रहे। शुरुआत में मुझे थोड़ी शर्मिंदगी महसूस हुई, लेकिन फिर मुझे भी इस बात में मज़ा आने लगा। कभी-कभी हम इतने परफेक्शन की चिंता में रहते हैं कि भूल जाते हैं—गलतियाँ भी हँसी का सबब बन सकती हैं। वह घटना एक तरफ मेरी मंच की झिझक को तोड़ गई, और दूसरी तरफ मेरी जिंदगी की सबसे मजेदार याद बन गई।

जब उस घटना को याद करती हूँ—मंच पर काँपती हुई मैं, गलत पंक्ति पढ़ना, मासूम चेहरा और लोगों के ठहाके—तो हँसी खुद-ब-खुद चेहरे पर आ जाती है। मेरे दोस्त आज भी जब मिलते हैं, तो उस घटना को दोहराते हैं, और सब फिर से हँसी में डूब जाते हैं। यह घटना मुझे सिखाती है कि जिंदगी का असली मज़ा परफेक्शन में नहीं, बल्कि उन मासूम पलों में छिपा होता है।

Yaman Shakil / 10 (D)

STUDENT WALL

कहानी: अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारना

राजू एक छोटे गाँव का नौजवान था। वह मेहनती तो था, लेकिन उसे शॉर्टकट अपनाने की आदत थी। एक दिन उसने सुना कि शहर में मोबाइल फोन बहुत महंगे दामों पर बिकते हैं, जबकि पड़ोस के कस्बे में वही फोन सस्ते मिलते हैं। राजू ने सोचा कि वह कस्बे से सस्ते मोबाइल खरीदकर शहर में बेच देगा और बहुत पैसा कमाएगा।

बिना किसी लाइसेंस या योजना के, उसने अपनी सारी बचत के पैसों से बीस मोबाइल फोन खरीदे। खुशी -खुशी वह शहर गया और सड़क किनारे स्टॉल लगाकर बेचने लगा। कुछ ही समय में पुलिस वहाँ पहुंच गई। जब उन्होंने कागज़ात माँगे, तो राजू के पास कुछ भी नहीं था। उसे गैरकानूनी व्यापार के आरोप में पकड़ लिया गया और उसका सारा सामान ज़ब्त कर लिया गया।

जेल में बैठा राजू बहुत पछता रहा था। उसे एहसास हुआ कि उसने जल्दबाज़ी में बिना सोचे-समझे कदम उठाया। अगर वह पहले लाइसेंस लेता, योजना बनाता, और सही रास्ता अपनाता, तो आज वह कमा रहा होता, न कि जेल में बैठा होता।

राजू की इस गलती से उसका नाम गाँव में बदनाम हो गया। उसके माता-पिता भी बहुत दुखी हुए। तभी से राजू ने ठान लिया कि अब वह कोई भी काम जल्दबाज़ी या शॉर्टकट से नहीं करेगा।

सीख: जब हम बिना सोच-विचार और तैयारी के कोई काम करते हैं, तो हम स्वयं ही अपने नुकसान का कारण बनते हैं — ठीक वैसे ही जैसे कोई अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मार ले।

Zoya Fatema / 9 (B)

निबंध: बरसात का मौसम

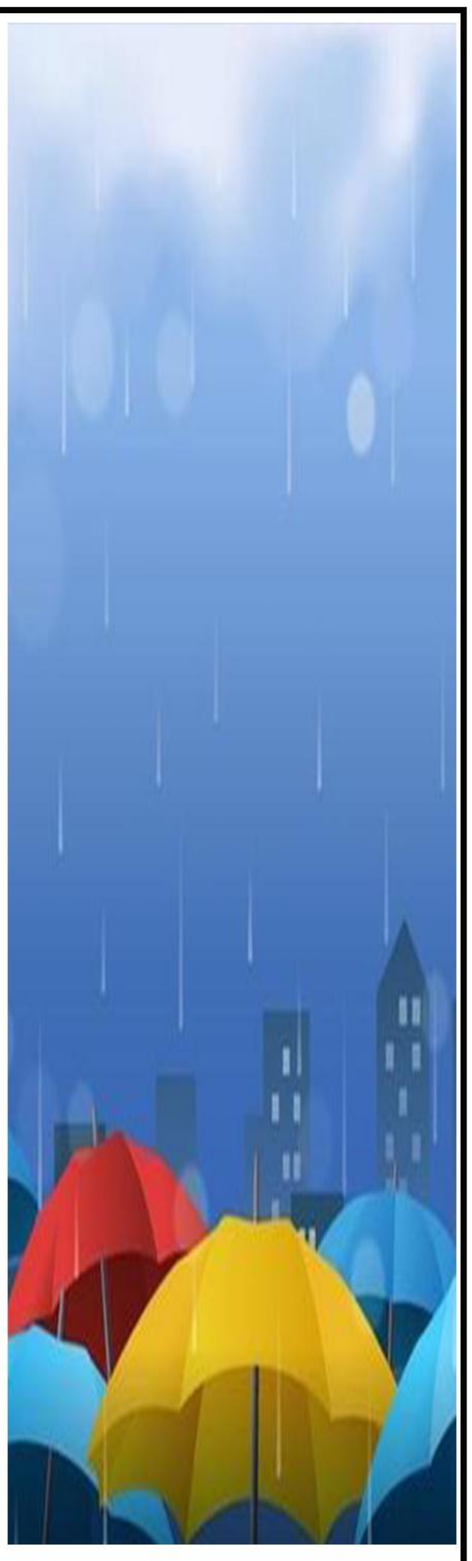

बरसात का मौसम साल के चार मुख्य मौसमों में से एक है। यह गर्मी के बाद आता है और सबको राहत देता है। जब गर्मी बहुत ज़्यादा हो जाती है और धरती सूख जाती है, तब बारिश की पहली बूंदें ठंडक और ताजगी लेकर आती हैं। आसमान में काले बादल छा जाते हैं और हल्की-हल्की बारिश से मन प्रसन्न हो जाता है।

इस मौसम में पेड़-पौधे हरे-भरे हो जाते हैं, फूल खिलने लगते हैं और वातावरण सुंदर लगने लगता है। खेतों में पानी भर जाता है और किसान अपने खेतों में मेहनत से काम करने लगते हैं। बरसात फसलों के लिए बहुत फायदेमंद होती है।

बच्चों के लिए बरसात का मौसम बहुत मजेदार होता है। वे बारिश में नहाना और कागज की नाव चलाना पसंद करते हैं। ठंडी हवा, बादलों की गड़गड़ाहट और बिजली की चमक इस मौसम को और भी रोमांचक बना देती है।

लेकिन यह मौसम कुछ कठिनाइयाँ भी लाता है। सड़कों पर पानी भर जाता है, जिससे चलने में परेशानी होती है। कीचड़ और गंदगी फैल जाती है, जिससे बीमारियाँ फैलने लगती हैं। मच्छर और गंदा पानी डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों को जन्म देते हैं। इसलिए हमें साफ-सफाई और सावधानी का पूरा ध्यान रखना चाहिए।

बरसात का मौसम प्रकृति का एक सुंदर उपहार है। यह धरती की प्यास बुझाता है और जीवन में नई ऊर्जा भरता है। अगर हम थोड़ी सावधानी बरतें और साफ-सफाई रखें, तो यह मौसम हमारे लिए बहुत फायदेमंद और आनंददायक बन जाता है।

Fawad Alam / 9 (B)

Art Gallery

MD ZAYN ALAM / CLASS - 3 (C)

ISHRA KALIM / CLASS - 3 (C)

HAMZA NABI AKHTAR / CLASS - 3 (A)

RAYYAN ALI / CLASS - 3 (B)

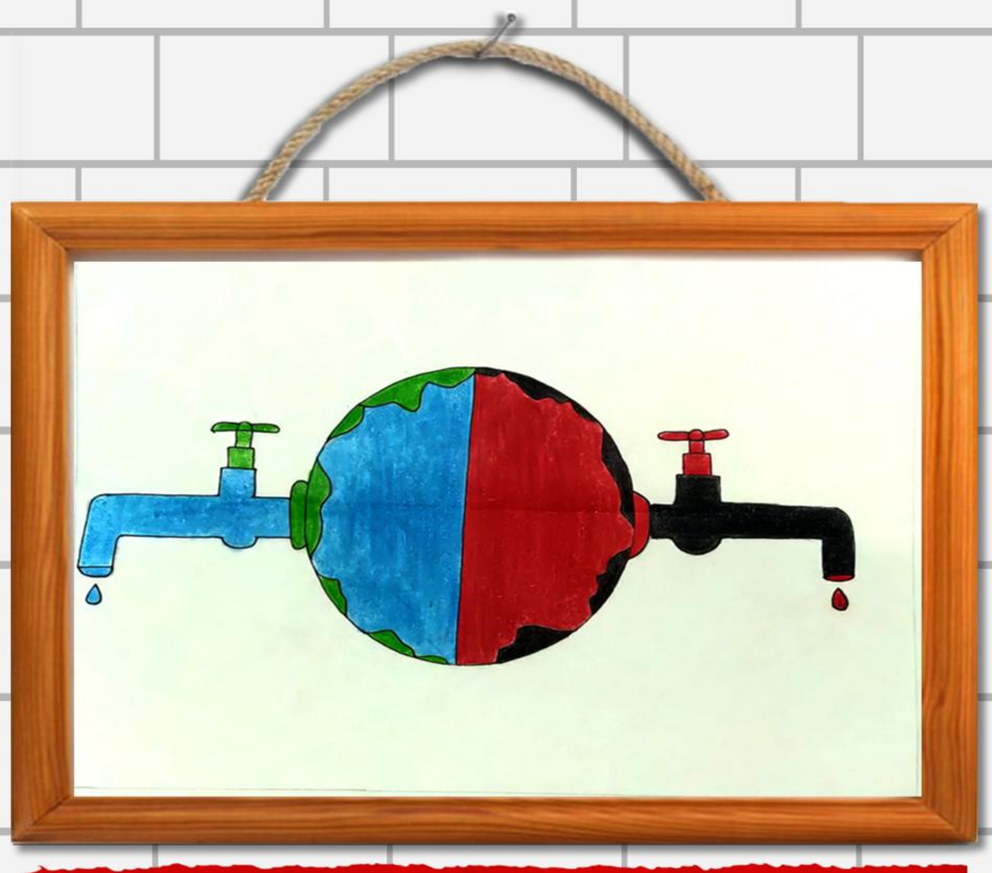

ASHAZ AHMED / CLASS - 3 (A)

In case there are any topics you like us to focus on in the next edition please do write to us at :- ***agustobuzz@gmail.com***
We look forward to your valuable feedback and suggestions.

Published by : ST. AUGUSTINE'S DAY SCHOOL
JUNE 2025
(For Private Circulation only)

E-mail : itsupport@stads.in
www.staugustinesdayschool.com

EDITOR : Mrs. Kavita Mehera & Mrs.Jolly Ghosh Sarkar
DESIGNER : Rizwan Ahmed